

घर आज़ा श्यामा वे

घर आज़ा श्यामा वे सौं है तेरे प्यार दी,
तू की जाने किवे गुजारा खडीया इन्ज़ार दी,
घर आज़ा श्यामा वे सौं है तेरे प्यार दी,

इक दिन राती सपने दे विच आ गये श्याम मुरारी,
मोर मुकुट माथे तिलक विराजे कंडला दी छवि नयारी,
आख जद मै खोली श्यामा रह गयी रूप निहार दी,
घर आज़ा.....

डरदी मारी आँख ना खोला सपना टूट ना जाये ,
मुश्किल दे नाल श्याम है आया किदरे नाश ना जाये,
आख जद मै खोली श्यामा रह गयी वाजा मारदी ,
घर आज़ा....

तेरे खातिर श्यामा वे मै घर घर अलख जगाई,
तेरे खातिर श्यामा वे मै गल विच कबली पाई ,
जदो तेरा नाम मै लावा दुनिया ताने मारदी,
घर आज़ा...

जे श्यामा तू रास रचावे मै वी सखिया नचाव्दी,
जे श्यामा तू गऊआ चरावे मै वी बछड़े चरवादी,
जे श्यामा तू घर मेरे आवे मै वी शगन मनावदी,

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/6957/title/ghar-aaja-shayama-ve-sohn-hai-tere-pyaar-di->

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |